Hindi Murli Quiz 04-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) वरदान पर आधारित इस एक्सरसाइज में सभी सही वाक्यों का ही चयन करें-–

- A. ☑ तन बीमार हो जाए, धन नीचे ऊपर हो जाए, कुछ भी हो लेकिन दुख की लहर अन्दर नहीं आनी चाहिए।
- B. ☑ वही बच्चे सुख का अनुभव करते हैं जो दुःख की लहरों को जम्प देकर ऐसे क्रास करते हैं जैसे खेल कर रहे हैं।
- C. ☑ जब किसी भी प्रकार का दुःख आये तो मनमनाभव मन्त्र ले लो जिससे दुख भाग जायेगा।
- D. ☑ सागर के बच्चे सुख स्वरूप हो, दुःख की लहर भी न आये।

Q.2) ."हर ----------में दृढ़ता की विशेषता को प्रैक्टिकल में लाओ तो प्रत्यक्षता हो जायेगी।"
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

- A. ○ सम्बन्ध
- B. ○ कर्म
- C. ○ वचन
- D. ◉ संकल्प

Q.3) लक्ष्मी-नारायण का राज्य था फिर आधाकल्प बाद रावण राज्य शुरू होता है । बाकी ऐसे नहीं कि युद्ध में कोई ने हराया। न लड़ाई से राज्य लेते हैं, न गंवाते हैं। यह तो योग में रह पवित्र बन पवित्र राज्य तुम स्थापन करते हो। यह है डबल आहिंसा। एक तो पवित्रता की आहिंसा, दूसरा तुम किसको दुःख नहीं देते।

- A. ◉ True
- B. ○ False

Q.4) "बच्चों को यहाँ देह सहित देह के सब सम्बन्धों को भूल आत्म-अभिमानी होकर शरीर छोड़ने में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। सतयुग में बिना मेहनत बैठे-बैठे शरीर छोड़ देंगे। अभी यही मेहनत वा अभ्यास करते हो कि हम आत्मा हैं, हमें इस पुरानी दुनिया पुराने शरीर को छोड़ना है, नया लेना है। सतयुग में इस अभ्यास की जरूरत ही नहीं।"

- A. ○ False / ये वाक्य गलत है
- B. ◉ True / ये वाक्य सही है

Q.5) –धारणा पर आधारित इस प्रश्न में सिर्फ सही उत्तर ही चयन करें ---

- A. ☑ प्रैक्टिस करनी है अन्तकाल में एक बाप के सिवाए और कोई भी चीज याद न आये।
- B. ☐ ट्रस्टी अर्थात बोझ और ग्रहस्थी अर्थात हल्कापन-इसी बात को स्मृति में रखना है । और कुछ भी सोचना नहीं है ।
- C. ☑ अल्फ और बे, इसी स्मृति से पास हो विजयमाला में आना है।
- D. ☑ ब्रह्मा बाबा के समान अपना सब कुछ ट्रांसफर कर फुल पॉवर बाप को देना है ।

Q.6) वाक्यों को अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ----

	Choice	Match
A	भक्ति में तो एक जन्म अर्थात अल्पकाल के लिए ट्रांसफर करते हैं,	तुम तो ट्रांसफर करते हो नई दुनिया में 21 जन्मों के लिए।
B	भक्ति में इनडायरेक्ट दान-पुण्य करते हैं ।	यह है डायरेक्ट।
C	ब्रह्मा बाबा ने तो फट से दे दिया,	सोचा नहीं। बच्चों आदि का कुछ भी ख्याल नहीं किया।
D	तुम बच्चों को अभी ऐसी प्रैक्टिस करनी है,	जो अन्त में एक शिवबाबा ही याद रहे।
E	हम यहाँ आये हैं कलियुगी पतित से सतयुगी पावन बनने के लिए ।	ग्रंथ में भी महिमा है:"मूत पलीती कपड़ धोए"।

Q.7) शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें -----

	Choice	Match
A	सतोप्रधान को	पुरूषोत्तम कहेंगे ।
B	तमोप्रधान को	कनिष्ट कहेंगे।
C	शास्त्रों में लाखों वर्ष कल्प की आयु लिख दी है,	समझते हैं कलियुग तो अभी बच्चा है।

D	बाप ही ज्ञान का सागर है ।	वह सत है, चैतन्य है, अमर है। पुनर्जन्म रहित है।
E	बाप को वर्ल्ड का रचयिता भी नहीं कहेंगे,	वर्ल्ड तो है ही, बाप सिर्फ आकर नॉलेज देते हैं कि यह चक्र कैसे फिरता है।

Q.8) **"बाप तुम्हें ----------बनाने के लिए पढ़ा रहे हैं, तुम अभी कनिष्ट से उत्तम पुरूष बनते हो, सबसे उत्तम हैं देवतायें"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. ब्रह्मण
B. फ़रिश्ता
C. देवता
D. पुरूषोत्तम

Q.9) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	बच्चे जानते हैं कि फिर से यानी कल्प-कल्प के बाद,	दूरदेश का रहने वाला आया है देश पराये।
B	दूर देश का रहने वाला विचित्र है,	उनको सुखधाम में कभी बुलाते नहीं, दु:खधाम में ही बुलाते हैं।
C	सतयुग में मध्यम, कनिष्ट पुरुष नहीं होते,	उत्तम ते उत्तम पुरूष यह श्री लक्ष्मी-नारायण हैं ।
D	बाप है सच्चा सोना, सच कहने वाला,	उनको ट्रूथ कहते हैं। सब कुछ सत्य बताते हैं।
E	यह जो कहते हैं ईश्वर सर्वव्यापी है, यह झूठ है,	बाप कहते हैं झूठ न सुनो। हियर नो ईविल ।
F	सतयुग में बूढ़े होते हैं तो साक्षात्कार होता है,	हम यह शरीर छोड़ जाकर बच्चा बनेंगे। बैठे-बैठे खुशी से शरीर छोड़ देते हैं।

Q.10) **सतयुग में आत्मा सतोप्रधान थी तो सुन्दर शरीर मिला। फिर ----------पर बैठने से काले तमोप्रधान हो गये, तो शरीर भी सांवरा मिलता है, सुन्दर से श्याम बन गये। चित्रों में कृष्ण का चित्र सांवरा बना देते हैं परन्तु अर्थ नहीं समझते। अभी तुम समझते हो सतोप्रधान थे तो सुन्दर थे। अभी तमोप्रधान श्याम बने हैं।**
[एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. दिल-तख़्त
B. काम-चिता
C. ज्ञान -चिता
D. जमीन